

# BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

## Personal Details

Author Name	बंशीधर नाहरवाल
Father Name	स्व. श्याजी राम
Date of Birth	1950-10-27
Contact No	9968255703
Alternate contact no.	7011177622
e-mail ID	bdniharwal@gmail.com
Nominee Name	Gaurav Naharwal
Correspondence Address :	K-74-A, Gali No 5
Landmark	Opp. Deep Parmarth School, Puran Nagar Palam Colony
City	New Delhi
State	Delhi
Pin Code	110077
Country	India

## BANK DETAILS

Account holder's name	Banshi Dhar
Account No.	132010100318747
Bank Name	Axis Bank

Branch	Palam
IFSC Code	UTIB0000132
Pan No.	AAOPD1354Q

### Book Details

Book Title	'Gareeba ki Tijori
How would you like your name to appear on book?	बंशीधर नाहरवाल
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Fiction
Number of images (If any)	0
Manuscript Status	Completed
Book Size	8.5"x11"

### Cover details

## Synopsis

उपन्यास का नायक गरीबा अत्यंत गरीब है और यह गरीबी उसके परिवार को पीढ़ी दर पीढ़ी मलित आई है। वह अनुसूचित जाति का भी है और गरीबी के कारण पढ़ाई लखाई ना के बराबर है। साहुकार उन्हें हमेशा अपने चंगुल में फंसाकर रखता है। गरीबा कृषि कार्य करता है पर अधबंटाई पर क्यों कि उसके पास स्वयं की कृषि भूमि नहीं है। वह साहुकार के खेतों को ही जोतता है और फसल पर अधिकतर उपज अपने पास रख लेता है, कुछ तो अधबंटाई की और बाकी पुराने करते की भरपाई के रूप में। बेचारे गरीबा के पास कुछ नहीं बचता है और फिर साहुकार से ही अपने द्वारा पैदा किया अनाज उधारी में लेता है अर्थात करज का भार और बढ़ जाता है। बाकी समय में कुछ मजदूरी भी कर लेता है वह एकाध पशु भी पालता है पर गरीबी से उबर ही नहीं पाता है। वैसे उसकी पत्नी भी मेहनती वह नेक औरत है, घर गृहस्थी के काम में लगी ही रहती है पर साहुकार के पंजे से परिवार मुक्त नहीं हो पा रहा है।

इसके साथ ही परिवार कुछ अंधविश्वास में भी फंस जाता है, गांव का पंडित आये दनि कुछ न कुछ अनुष्ठान, पूजा पाठ करने की सलाह देता रहता है जिसमें कुछ खर्चा तो होता ही है। अभी उसके बाप दुखिया की मृत्यु हुई है जिसका भी भोज कराया गया, साहुकार से करज लेना पड़ा।

गरीबा की ही जाति का एक और परिवार है उसके गांव में जिसका लड़का पढ़ लिख कर कालेज में प्रवक्ता है। प्रवीण का बाप भी गरीब ही है, राजमस्त्री का काम करता है पर बहुत ही समझदार है। उसका एकमात्र ध्येय अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलवाना रहा है और अब दूसरा बेटा भी इंजिनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है और एकमात्र बेटी भी अध्यापन क्षेत्र में जाना चाहती है।

गरीबा अब कुछ समय निकाल कर प्रवीण वह उसके पतिजी से सलाह लेता है और वे कुछ मार्ग दर्शन देते हैं। गरीबा का एक बेटा और एक बेटी है, दोनों बच्चे पढ़ाई में रुचि रखते हैं। गरीबा भी अब नयी सोच से आगे बढ़ने की ठान लेता है। साहुकार के अलावा दूसरे जमींदार की जमीन बंटाई पर लेकर खेती करता है जहां उसे ईमानदारी से अपना हिससा मिलता है। गरीबा ने भी अपने बेटे का नाम अपने बापू के कहने पर सूरज रखा है जो साहुकार के बेटे का भी नाम है।

सूरज अपनी लग्न व मेहनत से हाई स्कूल परीक्षा जलि में सर्वाधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होता है जिससे जलि प्रशासन से भी आगे की पढ़ाई के लिए कुछ सुविधाएं मिलती हैं, प्लस टू करते हुए उसको आई आई टी में प्रवेश मिलता है। प्रवीण उसे समय

## Blurb

लेखक

बंशीधर नाहरवाल

## Author Bio

बंशीधर नाहरवाल

एम ए (अर्थशास्त्र)

सेवा नवित्त प्रथम श्रेणी अधिकारी

रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

साहित्यिक कृतियाँ:-

1. स्वामी विवेकानन्द के सेनफ्रांसिस्को में दिए गए व्याख्यान " बुद्धान् मैसेज टू दी वर्ल्ड" का हिंदी अनुवाद।
2. बगुला भगत, स्वयं रचित कविताओं का संग्रह।
3. आज का श्रवण कुमार, परिवारों में वृद्धों की हो रही दुर्दशा पर आधारित उपन्यास।
4. Who tells you there is God - an illustrative book on almost all the religions of the world.